



Mr.

17 Apr 2024

04:47 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121866803

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 17/04/2024
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 16:47:00 घंटे
इष्ट _____: 27:00:54 घटी
स्थान _____: Jammu
राज्य _____: Jammu and Kashmir
देश _____: India

अक्षांश _____: 32:42:00 उत्तर
रेखांश _____: 74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 16:16:28 घंटे
वेलान्तर _____: 00:00:30 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:00:47 घंटे
सूर्योदय _____: 05:58:38 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:01:59 घंटे
दिनमान _____: 13:03:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 03:44:26 मेष
लग्न के अंश _____: 05:58:19 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: कर्क - चन्द्र
नक्षत्र-चरण _____: आश्लेषा - 2
नक्षत्र स्वामी _____: बुध
योग _____: शूल
करण _____: तैतिल
गण _____: राक्षस
योनि _____: मार्जार
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: डू-डूंगरमल
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मेष

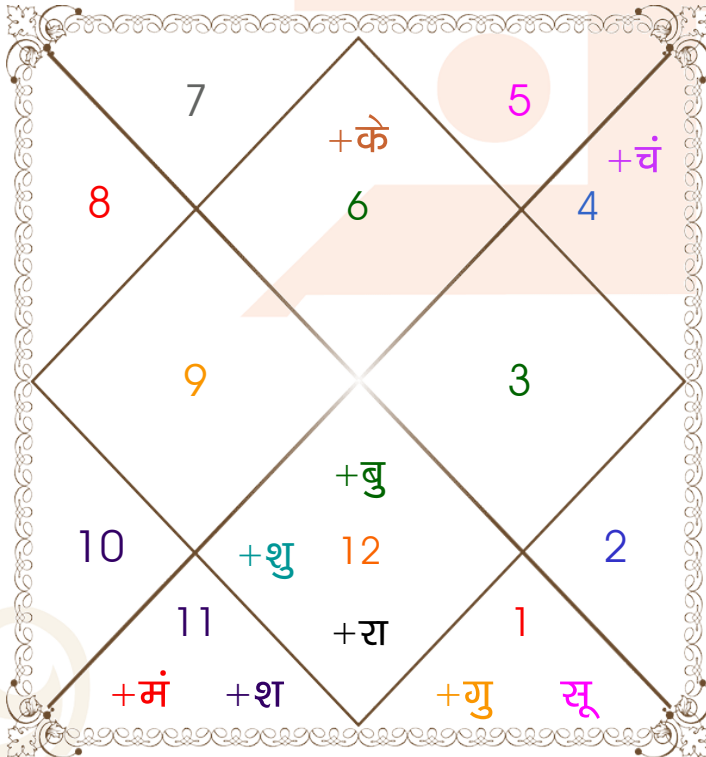
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:58:19	307:47:05	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			मेष	03:44:26	00:58:40	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	22:27:01	12:00:11	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	स्वराशि
मंगल			कुंभ	25:36:59	00:46:31	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	मीन	24:24:28	00:36:54	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			मेष	26:48:21	00:13:39	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			मीन	20:59:54	01:14:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			कुंभ	21:10:04	00:06:02	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	स्वराशि
राहु			मीन	21:22:29	00:01:16	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	21:22:29	00:01:16	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	27:26:11	00:03:15	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	---
नेप			मीन	04:18:00	00:02:02	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:51:13	00:00:26	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	05:59:04	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

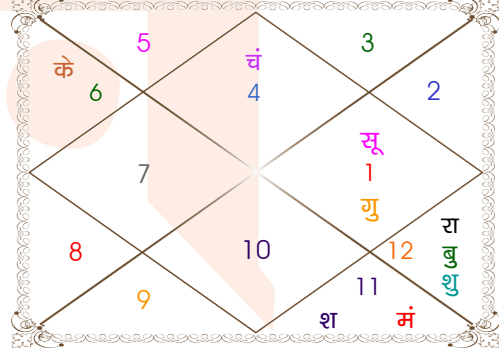
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:42

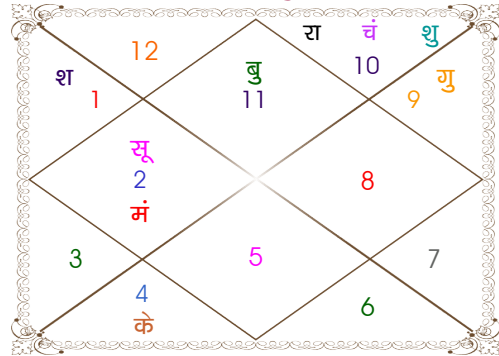
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 7 मास 15 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
17/04/2024	02/12/2033	02/12/2040	02/12/2060	02/12/2066
02/12/2033	02/12/2040	02/12/2060	02/12/2066	02/12/2076
00/00/0000	केतु 30/04/2034	शुक्र 02/04/2044	सूर्य 21/03/2061	चंद्र 03/10/2067
00/00/0000	शुक्र 30/06/2035	सूर्य 03/04/2045	चंद्र 20/09/2061	मंगल 03/05/2068
00/00/0000	सूर्य 05/11/2035	चंद्र 02/12/2046	मंगल 26/01/2062	राहु 02/11/2069
17/04/2024	चंद्र 05/06/2036	मंगल 01/02/2048	राहु 21/12/2062	गुरु 04/03/2071
चंद्र 02/06/2025	मंगल 01/11/2036	राहु 01/02/2051	गुरु 09/10/2063	शनि 02/10/2072
मंगल 31/05/2026	राहु 20/11/2037	गुरु 02/10/2053	शनि 20/09/2064	बुध 03/03/2074
राहु 17/12/2028	गुरु 27/10/2038	शनि 02/12/2056	बुध 27/07/2065	केतु 02/10/2074
गुरु 25/03/2031	शनि 06/12/2039	बुध 03/10/2059	केतु 02/12/2065	शुक्र 02/06/2076
शनि 02/12/2033	बुध 02/12/2040	केतु 02/12/2060	शुक्र 02/12/2066	सूर्य 02/12/2076

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
02/12/2076	03/12/2083	03/12/2101	03/12/2117	03/12/2136
03/12/2083	03/12/2101	03/12/2117	03/12/2136	00/00/0000
मंगल 30/04/2077	राहु 15/08/2086	गुरु 21/01/2104	शनि 06/12/2120	बुध 01/05/2139
राहु 18/05/2078	गुरु 07/01/2089	शनि 04/08/2106	बुध 16/08/2123	केतु 28/04/2140
गुरु 24/04/2079	शनि 14/11/2091	बुध 08/11/2108	केतु 24/09/2124	शुक्र 27/02/2143
शनि 02/06/2080	बुध 03/06/2094	केतु 15/10/2109	शुक्र 24/11/2127	सूर्य 03/01/2144
बुध 30/05/2081	केतु 21/06/2095	शुक्र 15/06/2112	सूर्य 05/11/2128	चंद्र 18/04/2144
केतु 27/10/2081	शुक्र 21/06/2098	सूर्य 04/04/2113	चंद्र 07/06/2130	00/00/0000
शुक्र 27/12/2082	सूर्य 16/05/2099	चंद्र 04/08/2114	मंगल 17/07/2131	00/00/0000
सूर्य 04/05/2083	चंद्र 15/11/2100	मंगल 10/07/2115	राहु 23/05/2134	00/00/0000
चंद्र 03/12/2083	मंगल 03/12/2101	राहु 03/12/2117	गुरु 03/12/2136	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 7 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृत्ति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृत्ति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्यों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते हैं। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृत्ति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखें आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखें एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक् प्रवृत्ति के प्राणी हैं तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृत्ति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष हैं। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रियात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत्त हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृत्ति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करें। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार हैं। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करें।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग हैं। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।